

भारत के खिलाफ करारी हार से तिलमिलाए कप्तान टोम इन्हें हराया हार का जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज को 3-0 से अपने नाम की। बता दें कि इंदोर के होल्कर

की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड एक मैच भी नहीं जीत पाया और भारत ने 3-0 से सीरीज अपने नाम की। तीसरे वनडे मैच में कीरी टीम की खराब गेंदबाजी पर कप्तान टॉम



क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 386 रन बनाए। इसके बाद न्यूजीलैंड टीम 295 रनों पर ही ढेर हो गई और भारत ने इस तरह 90 रन से मैच अपने नाम किया। सीरीज में करारी हार के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम काफी निराश रहा। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह आइये जाना चाहे है दरअसल, उन्होंने विलयमसन की ओर भी जीदी में टॉम लेथम को न्यूजीलैंड टीम की कमान सौंधी गई थी। लेकिन, वह कामानी में बुरी तरफ फौंट सवित्र हुए। भारत के खिलाफ तीन मैचों

लेथम ने कहा, न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवेन कॉन्वेंने ने भारत के खिलाफ इंदोर के होल्कर स्टेडियम में शानदार शतक जड़ा। ये शतक उनके वनडे करियर का तीसरा शतक रहा, जिसे उन्होंने 71 गेंदों में पूरा किया। कॉन्वेंने 100 गेंदों का सामान करते हुए 138.00 की स्ट्राइक रेट बनाए। बता दें कि शुरुआती दो झटके के बाद न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 1 से भी हांडा दिया भारतीय टीम को यह सीरीज जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड को नंबर-1 से भी हांडा दिया। इसके बाद गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव का यह सीरीज जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड को नंबर-1 से भी हांडा दिया। इस जीत के साथ

हैदराबाद ब्लैक हाव्स टीम के सह मालिक बने सुपरस्टार विजय देवरकोंडा

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। दिविषण भारत के युवा सुपरस्टार विजय देवरकोंडा प्राइम गलिलोबाल ने हैदराबाद ब्लैक हाव्स टीम के सह मालिक बन गए हैं। देवरकोंडा भारत की शीर्ष पेशेवर वाली टीमों में से एक और तेलुगु

ब्रांड को आगे बढ़ा सकते हैं। वह इसे अगले स्तर पर ले जा सकते हैं। उनके रहने हुए दुनिया भर में तेलुगु लोगों का भावना और अस्सून्ही का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के रूप में हमारे विजय को प्राप्त करने की दिशा में एक



भाषी राज्यों के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में इस लीग के साथ जुड़े हैं। ब्लैक हाव्स के प्रमुख पालिक अधिकारी रेखी कंकनाला ने कहा, 'सह मालिक और ब्रांड का लेटर दोनों के रूप में विजय की वाहनी है। वहां प्राइम और हमारे ब्रांड को भारत के सभी हिस्सों के हामारे साथ जुड़ने से हम उत्साहित हैं। वह वास्तव में हमारे बड़े करना होगा मैं करूँगा।'



राशिफल

मेष:-अपने मित्र के साथ हुई गलतफहीनी की शीर्ष सुझाए। आधिक विवाद से आप दोनों के संबंधों को हानि होगी। प्रगतिशील होगा और सैलंरी भी बढ़ सकती है।

वृष:-व्यापार में अच्छा लाभ का योग आज बन सकता है। आप अपने साक्षीदार के साथ अच्छे व्यवहार के कारण अपने व्यापार को नई गति देंगे।

मिथुन:-आज आपका दिन शानदार रहेगा। पारिवारिक विश्वेष जमजूबूत होगे। आप थोड़ी-सी मेहनत करके अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

कर्क:-कर्क राशि वाले आज एक नई शुरुआत कर सकते हैं। सामाजिक रूठबाल मिल सकता है। घर-परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें।

सिंह:-आपके लिए आज का दिन काफी अनुकूल रहने की संभावना दिखाई दे रही है। परिवार के लोगों का तालेबन आपको आगे बढ़ने का हासिला देगा।

कन्या:-आज आपका दिन बद्धिया रहेगा। आपको शाम तक किसी समाझोर में शामिल होने का मौका मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

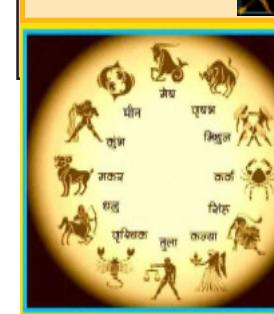
तुला:- आज आपकी योग्यता में वृद्धि होगी। जल्दबाजी और जोखिम भरे कामों से दूर रहें। ऐसा कोई गैरजिमेदाराना काम न करें जिसके लिए बाद में आपको पछताना पड़े।

वृश्चिक:-भारत के लिए दिन अनुकूल है। क्योंकि प्रतियोगी पर्यावारों में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु:-यदि आप मानसिक रूप से तनाव को अपने ऊपर हानी होने देंगे तो आपको परेशनिया होंगी। अन्यथा स्थिति बद्दिया भी हो सकती है।

मकर:-करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर समाने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की अनुभूति होगी। किसी जरूरी काम के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कुंभ:-आज आप अपनी नवीनी सूची से अपने कार्यक्रमों में बहुत ही उत्तम हासिल करेंगे। आज आपका नए लोगों से संपर्क होगा और नए लोगों से मित्रता होगी।



आज का राशिफल

टीम इंडिया बना आइसीसी ओडीआई में बादशाह, न्यूजीलैंड को हुआ तगड़ा नुकसान



(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड टीम को तीसरे वनडे मैच में 3-0 से अपने नाम की। तीसरे वनडे मैच में कीरी टीम की खराब गेंदबाजी पर कप्तान टॉम

ही भारतीय टीम ने वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई है। बता दें कि न्यूजीलैंड टीम के साथ भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले आइसीसी मैच में भारत ने पहले खेले गए आइसीसी मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 385 रन बनाए। इसके बाद गेंदबाजी में खेला गया।

पर पहुंच गई है। वहीं, दूसरे नंबर पर इंडिलैंड टीम 113 रेटिंग के साथ भी जीद है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया, तो न्यूजीलैंड टीम 11 रेटिंग वाईट के साथ बीच नंबर पर पहुंच गई। बता दें कि वनडे की रह टी-20 फॉर्मेट में भी इंडिया टीम का बाद दूसरे नंबर पर है। दूसरे मैच में आठे मैचीन खेले जाने वाली बॉर्डर गावस्कर सीरीज में टेस्ट में नंबर 1 बनने का सुनहरा मौका है।

न्यूजीलैंड का कलीन स्वीप करके नंबर 1 बना भारत, इंदौर में 100 प्रतिशत रिकॉर्ड कायम

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज को 3-0 से अपने नाम की। बता दें कि इंदोर के होल्कर

क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड टीम काफी मुश्किल में दिखाई दे रही थी, लेकिन कॉन्वेंने ने शानदार रोहित करते हुए शतक के बाद जड़ा और टीम को एक शानदार शुरुआत दिलाई। रोहित ने 101 स्टॉनों की पारी, तो

न्यूजीलैंड

सम्पादकीय

मनमानी व्याख्याओं के बीच डॉ. आंबेडकर, क्या वास्तव में हिंदू विरोधी थे

मैं हिन्दू धर्म में पैदा हुआ था, लोकन उसमें रहकर मरुगा नहीं', यह घोषणा कर बौद्ध बन जाने वाले डॉ. आबेंडकर क्या वास्तव में हिन्दू विरोधी थे प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से उनके विरोध का कारण क्या था राजनीतिक स्वार्थों के अनुसार डॉ. भीमराव आंबेंडकर की सुविधाजनक स्वीकार्यता, उनके क्रांतिकारी विचारों पर पर्दा और जीवन से जुड़ी घटनाओं की भिज्ज-भिज्ज व्याख्याओं के बीच उनकी पत्ती डॉ. सविता आंबेंडकर एक नई शक्तियत से परिचय करती है। 1990 में प्रकाशित, मराठी में लिखित उनकी पुस्तक आंबेंडकर एक अंबेंडकरांच्या सहसावत का उनके निधन के उच्चीस साल बाद अंग्रेजी में आई बाबासाहब : माई लाइफ विद डॉ. आंबेंडकर सही परिप्रेक्ष्य में तत्कालीन समाज और राजनीति से बाबासाहब के संघर्ष को पेश करती है। बाबासाहब के निजी जीवन, महिलाओं और परिवार के प्रति अब तक कम ज्ञात उनके विचार भी सामने आते हैं। मैं हिन्दू धर्म में पैदा हुआ था, लेकिन उसमें रहकर मरुगा नहीं', यह घोषणा कर बौद्ध बन जाने वाले डॉ. आबेंडकर क्या वास्तव में हिन्दू विरोधी थे प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से उनके विरोध का कारण क्या था एक दौर में उन्हें ब्रिटिश सत्ता का चाटकार बताया गया। हकीकत क्या थी 'जाति के विनाश' का उनका मिशन कितना सफल रहा उनके प्रति कुछ गैर-सर्व जातियों का व्यवहार कैसा था 1947 में भारत जिस रूप में मिला था, उसे अक्षुण्ण रखने में बाबासाहब का क्या योगदान है बाबासाहब के जीवन के अंतिम दशक में उनकी डॉक्टर, तीमादार, सहायक, संगिनी और वस्तुतः संरक्षक रहीं डॉ. सविता की पुस्तक कई सवालों का जवाब देने के साथ ही बहुत सारी गुन्थियों को सुलझाने में मदद करती है। नेहरूकालीन भारत का एक बड़ा विवाद रहा है हिन्दू कोड बिल। आम धारणा है कि इस बिल को प्रतिष्ठा का विषय बना बाबासाहब ने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। सच यह है कि कोड बिल एकमात्र कारण नहीं था। डॉ. सविता बताती हैं, बाबासाहब ने बिल तैयार करने से पहले व्यापक स्तर पर वेदों, पुराणों, शास्त्रों और स्मृतियों का अध्ययन किया, इसके साथ ही अन्य पुस्तकें पढ़कर नोट बनाने और किताबें लिखने का काम भी जारी रहता, मैं डाक्टर होने के नाते उनसे थोड़ा आराम करने के लिए कहती, लेकिन हिन्दू विशेषज्ञ और विद्वान् सलाह-मशविरे के लिए आते रहते थे, नतीजतन उनकी आंखें और खराब हो गई व सेहत भी गिरी। वह लिखती हैं, 'जब बाबासाहब बिल पेश करने की अनुमति लेने प्रधानमंत्री के पास गए, उन्होंने इसे मंजूर करने का भरोसा दिया। लेकिन पांच फरवरी, 1951 को सदन में बिल प्रस्तुत करते ही हंगामा हो गया। लोकसभा अध्यक्ष मावलंकर, राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल और सरदार हुकुम सिंह ने खुलकर विरोध किया। बाबासाहब ने 10 अगस्त, 1951 को नेहरू को मार्मिक पत्र लिखा, मुझे और डॉक्टरों को मेरे स्वास्थ्य की चिंता सता रही है। मैं चाहता हूं कि हिन्दू कोड बिल पास हो जाए। प्रधानमंत्री जानते हैं, मैं इसे बहुत महत्व देता हूं।' नेहरू का उत्तर था, 'चीजों को सहजता से लीजिए, क्योंकि सदन के अंदर और बाहर बिल का विरोध हो रहा है।' कैबिनेट ने सिंतंबर में इस पर विचार का फैसला किया है।' बाद में बिल टुकड़े-टुकड़े में पास हो पाया। बाबासाहब को नेहरू से उमीदें थीं, जो पूरी नहीं हो पाई। यह अपेक्षाओं की त्रासदी थी। नेताजी सुभाष के साथ भी यही हुआ था। नेहरू 'क्रांतिकारी मुद्दों' पर नेताजी का साथ देने के बजाय गंधीजी के हिसाब से चलते थे। संविधान का मसौदा पेश करने के समय तक बाबासाहब की सहन काफी खराब हो चुकी थी। मृदुमेह सहित कई बीमारियों से ग्रस्त बाबासाहब की नाभि के नीचे निकला फोड़ा ठीक नहीं हो पा रहा था। डॉ. सविता उनके साथ थीं। फोड़े पर दवा और ढेर सारी रुई की पट्टी बांधकर वह उन्हें ले गई थीं। उनके अनुरोध और राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अनुमति से फोम की विशेष कुर्सी संविधान निर्माता के लिए लाई गई। इस अवसर पर बाबासाहब के ऐतिहासिक भाषण को डॉ. सविता शिद्धत से याद करती हैं, भारत में जातियां हैं। ये जातियां राष्ट्रविरोधी हैं। क्योंकि, प्रथमतः ये सामाजिक जीवन में अलगाव लाती हैं। ये इसलिए भी राष्ट्रविरोधी हैं कि ये जाति और जाति के बीच ईर्ष्या व दुर्भाग पैदा करती हैं। लेकिन यदि हमें वास्तव में एक राष्ट्र बनना है, तो इन सब कठिनाइयों पर काबू पाना होगा।



उत्तराखण्ड के अवसर पर

प्रतापगढ़। जनपद के तुलसीसदन (हादीहाल) में दिनांक 24 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाले “उत्तर प्रदेश दिवस-2023” समारोह का भव्य तरीके से शुभारम्भ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतापगढ़ संसदीय लाल गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य सम्मिलित हुये। इस दौरान जिलाधिकारी डा० नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) त्रिभुवन गिशकर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा० जी०एम० शुक्ला, परियोजना निदेशक डॉआरडी० एआर०सी० शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी/जिला सूचना अधिकारी राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश दिवस का शुभारम्भ सांसद संसद लाल गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना स्वागत गीत और विकास गीत शारदा संगीत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अवसर पर सांसद, विधायक, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अतिथियों ने तुलसीसदन परिसर में विभिन्न विभागों जिला उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, युवा कल्याण, मनरेगा, आजीविका मिशन, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, महिला कल्याण, समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग, पंचायती राज विभाग, बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान, नगर विकास, बाल विकास एवं पुस्ताहार विभाग सहित अन्य विभागों के स्टाल का अवलोकन किया एवं सम्बन्धित से जानकारी भी प्राप्त की। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद व जनपद के बाहर से आये निवेशकों एवं उद्यमियों ने प्रतिभाग किया व अपने निवेश प्रस्ताव सौंपे। इस अवसर पर सांसद संसद लाल गुप्ता ने कहा कि जनपद में औद्योगिक इकाईयों के स्थापना के

याद रहें लाल किला हिंसा के गुनहगार,
जिम्मेदार तत्वों को सजा न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण

पिछले दिनों जब ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में पराजित प्रत्याशी जायर बाल्सोनारो के समर्थकों ने लोकतंत्र के तीन प्रतीकों-राष्ट्रपति भवन, के बाद अमेरिका में एक हजार से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से साढ़े नौ सौ से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया

। कठोर सजा से राहत पाने की
शक्ति में कई अभियुक्तों ने अपना
ष स्वीकार कर लिया है। स्पष्ट
कि कैपिटल हिल में उत्पात मचाने

पर राष्ट्रपति बाइडेन ने हिंसा उपद्रवियों का सामना करने वाले को राष्ट्रपति नागरिक मेडल सम्मानित किया। अब यह जान

रहे हैं और अमेरिका में कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों को कड़ी सज्जने का काम लगभग पूरा हो चुका है, तब दर्भार्गयर्पण यहाँ है कि यह

अपनी ट्रैक्टर रैली निकालेंगे, लेकिन 26 जनवरी के दिन अपने वादे को तोड़कर उनके ट्रैक्टर मनचाहे रास्तों पर निकल लिए और उहाँने जहां-



उपेक्षित धरोहरों की सुध लेने का समय, विरासतों पर गर्व की बातें नहीं, उनके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने का वक्त

ऐतिहासिक धरोहरें सभ्यता और संस्कृति की जीवंत दस्तावेज होती हैं, जिन्हें देख-पढ़कर हम अतीत के अनशुष्ट पहलुओं का आकलन कर सकते हैं। ऐसी ही एक धरोहर का पता लगाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएआई) दिल्ली स्थित पुराना किला की एक बार फिर खोदाई करने जा रहा है। इसके जरिये यह पता लगाया जाएगा कि पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ पुराना किला के टीले पर थी या नहीं। यह पहल स्वागतयोग्य है। स्मरण रहे कि भारत ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राष्ट्र है। यहाँ की प्राचीनता दुनिया को आकर्षित करती है। भारतवर्ष की सामाजिक-सांस्कृतिक धारा प्राचीन काल से ही अविरल रूप से चली आ रही है। भारत की इस अति प्राचीन सांस्कृतिक धारा की प्रत्यक्ष अनुभूति हमें अपनी ऐतिहासिक धरोहरों एवं पुरातात्त्विक अवशेषों को देखकर होती है। ऐतिहासिक धरोहरों में मुख्य रूप से स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण भरन, शिलालेख, अभिलेख, स्तम्भ, स्मारक समाधि-स्थल, दर्लभ चित्र-

महल, मूर्तियाँ, किले और आदि आते हैं। ये हमें हमारी वंगौरवशाली परंपराओं से हैं। इन्हें देखकर हम अन सामाजिक, सांस्कृतिक, तोतक, धार्मिक एवं आर्थिक गोंगों एवं व्यवस्थाओं का सहज लगा सकते हैं। साथ ही वाके ज्ञात एवं उपलब्ध वाक के भी पार झांक सकते हैं। ये कारण हैं कि हर सजग नी ऐतिहासिक धरोहरों की देखभाल करता है, परंतु वे से अपन देश में ऐतिहासिक नी इन धरोहरों के संरक्षण और प्रवर्गाही का मामला सज्जन करता है। निःसंदेह ऐसी उपेक्षा सरकारें अधिक उत्तरदायी हैं, परंतु अपनी इन सक-सांस्कृतिक धरोहरों के अधिक-समाज की उदासीनता घोटती है। देश भर में सक एवं पुरातात्त्विक महत्व 93 स्मारक हैं, जिन्हें केंद्र संरक्षित करती है। इनमें गयाब हो गए हैं। गत वर्ष संस्कृति मंत्रालय द्वारा गठित संसदीय समिति की ओर

में शेरशाह की बुद्धूं, दिल्ली में बाराखंभा और बंगाल के नदिया जिले में बमनपुकुर किले के खंडहर गयब हो चुके हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सकता। जिन स्मारकों का पता नहीं लगा है, उन्हें जोजने के लिए पुराने रिकार्ड का सत्यापन, रेवेन्यू मैप, प्रकाशित रिपोर्ट, भौतिक निरीक्षण और टीमों की तैनाती की गई है। 'सुखद है कि किंग द्वारा लापता घोषित 92 स्मारकों में से 42 को पुनः ढंड लिया गया है। इसके लिए एसआइ ने पिछले आठ वर्षों में 8,478 गांवों का सर्वेक्षण किया है। इन गांवों में 2,914 पुरातात्त्विक अवशेष पाए गए हैं, जिन्हें सहजने का काम चल रहा है। अब तक 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित केंद्र संरक्षित स्मारकों एवं स्थलों से चोरी की 210 घटनाएं हुई हैं, जिनमें 486 वस्तुएं अपने स्थान से गयब हुईं, उनमें से 91 वस्तुएं बरामद कर ली गई हैं और अन्य की बरामदी के प्रयास चल रहे हैं। सरकार को यह याद रखना होगा कि ये धरोहरें देश की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान एवं गौरव की जीवंत प्रतीक हैं।

जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट का किया गया आयोजन, सांसद, विधायक हए शामिल

लिये सुनहरा अवसरा है जिसके अन्तर्गत उद्यमियों को जनपद में निवेश के लिये आमंत्रित किया गया है। इसी के साथ यह भी अवगत कराया गया कि एटीएल भूमि शीघ्र ही उद्योग स्थापना हेतु सम्बन्धित विभाग को हस्तान्तरित कर दिया जायेगा। उहोने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद प्रतापगढ़ विकास के पथ पर अग्रसर है, यहां का माहौल आम जनमानस के लिये और उद्यमियों के लिये उपयुक्त है, जनपद में विकास सम्बन्धित महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न कराये जा रहे हैं और जनपद लगातार तरक्की की ओर अग्रसर है। विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर समस्त जनपदवासियों को बधाई दी और सभी उद्यमियों से आग्रह किया कि जनपद में वह पूर्ण रूप से इच्छेस्टमेन्ट करें ताकि जनपद में रोजगार की सम्भावनायें अधिक से अधिक प्राप्त हो सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तरीय इच्छेस्टर्स समिट के अन्तर्गत

प्रतापगढ़ को विभिन्न विभागों
में से 10697 करोड़ रुपये
प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं
अन्तर्गत प्रमुख रूप से
न०१८०५ विभाग, उद्यान
सौर ऊर्जा विभाग, यूपी
विभागों को निवेश प्रस्ताव
यें हैं। जनपद में इस समय
वातावरण स्थापित हो चुका
जनपद प्रतापगढ़ की जनता
पापको सुरक्षित महसूस कर
पौर आज यहाँ विभिन्न प्रकार
में लोग काम कर रहे हैं,
जगार के अवसर उपलब्ध
है। पुलिस अधीक्षक ने
कों का शांति व सुरक्षा
सुनिश्चित करने का
दिया और अन्य जनपदों
में से निवेश करने का
किया। उन्होंने कहा कि
में उनका लक्ष्य पूर्ण रूप से
को अपराध मृत्करना है,
और अपराधियों के लिये
लैरलैन्स नीति को अपनाया
। इस अवसर पर उपायुक्त
दिनेश कुमार चौरसिया ने

नीति-2022 का क्रिया गया और पोर्टल पर इन्वेस्ट नकारी उद्यमियों/ तथा उद्यमियों से ५५ से अधिक निवेश अनुरोध किया। इस तरह जनपद के पांच निवेशों पर प्रशंसित पत्र देकर गया। इस अवसर पर व्यापारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक विकास व कानून एवं निवेश का माहाल मान्यता किया। उत्तर अवसर पर सांसद, विधायक सदर बैरी, जिलाधिकारी सल एवं पुलिस गाल अंतिल द्वारा स्वरोजगार के ल कुमार वर्मा, लभार्थी हर्ष वर्धन, जगार सूजन के कुमार पाल को डेमो किया। अतिथियों

र शुक्ल के छात्र/या मिश्रा, नितिन, ज्योति ना सरोज विवेकानन्द के तहत वितरण और उत्कृष्ट त शुक्ला सम्मानित एण्ड स्तर गाठ मंगल द मौर्या, प कुमार, तो स्वामी सम्मानित ग्रामीण नान्तर्गत ही स्वयं स्फुर एवं न विभाग विकास लाभार्थी द्वेष्टल एवं

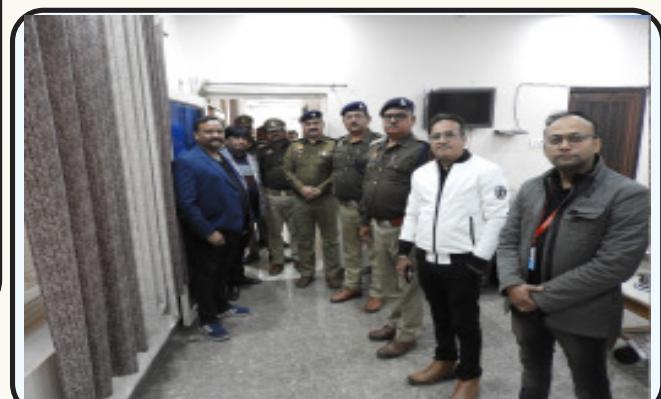
पीएमएफएमई योजनान्तर्गत लाभार्थी मगदूम वर्मा, शेष नरायन मिश्रा व पंकज सिंह को स्वीकृति पत्र क वितरण किया गया। 30प्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना वे अन्तर्गत कोविड-19 के दौरान माता/पिता की मृत्यु होने पर उनके बच्चों जो शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं क्रमशः शाशांक शेख शुक्ला, सौम्या सिंह, हिमाशु सिंह, निधि मिश्रा व अंशु विश्वकर्मा को लैपटाप का वितरण किया गया। इसी प्रकार ग्रामीण चार्यालयों के विकास हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाले 05 प्रधानों का सम्मानित किया गया। महिला कल्याण विभाग द्वारा बेर्ट बचाओ बेटी पढ़ाओं हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में सांसद विधायक सदर, जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अतिथियों ने अपने हस्ताक्षर भर किये। उत्तर प्रदेश दिवस वे 31वां प्रधान अधिकारी डा० सीमा सिंह राणी ने उद्यान विभाग की योजनाओं

मुख्य पश्चिमिकारी डा० बिरजू सिंह यादव ने पशुपालन विभाग की योजनाओं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विकास कुमार दीपांकर ने मत्स्य विभाग तथा उप निदेशक कृषि डा० रघुराज सिंह ने कृषि विभाग की योजनाओं तथा सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई ने के सम्बन्ध में आमजन मानस को जानकारी दी। इस दौरान कृषकों द्वारा अपने अनुभव भी बताये गये। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक डा० ओपी राय, सांसद प्रतिनिधि विवेक उपाध्याय सहित जनपद स्तरीय अधिकारी, उदयमियों में प्रमुख रूप से अनुराग खण्डलवाल, मो० अनाम, राजे न्दू केसरवानी, रोशन लाल ऊमरवैश्य व अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा० मोहम्मद अनीस ने किया।

प्रदेश के वरिष्ठ आई०पी०एस० अधिकारी वर्तमान महानिदेशक अविनाश चन्द्र द्वारा नैनी औद्योगिक क्षेत्र मे आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस का हुआ भव्य उद्घाटन आधुनिक समाचार समूह अच्छी खबरों का बेहतरीन पैरोकार- अविनाश चन्द्र



(आधुनिक समाचार सेवा) नैनी / प्रयागराज। वरिष्ठ आई०पी०एस० अधिकारी वर्तमान महानिदेशक अविनाश चन्द्र द्वारा नैनी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आधुनिक समाचार पत्र के पब्लिशिंग हाउस का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अविनाश चन्द्र द्वारा समूह के पदाधिकारीयों, कार्यकर्ताओं सहित आधुनिक समाचार सदस्यों एवं समूह से जुड़े पर्येक सदस्यों को प्रणामा करते हुये कहा कि यह समूह बिना किसी भेदभाव के बेहतरीन समाचारों का प्रोटोकार है एवं क्षेत्रीय समस्याओं की छोटी से छोटी खबरों को शासन-प्रणाली तक पहुंचाने का उत्ति उत्तम कार्य कर रहा है। उद्घाटन के अतिरिक्त इस अवसर पर अविनाशमन दल के सिपाहियों ने



स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा० दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिंटर्स 53/25/1
ए. बेली रोड न्यू कटरा
प्रयागराज (उ.प्र.)
211002 से मुद्रित एवं सी-
41 यूपीएसआईपीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.)
211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा० पुरीत अरोरा
मो.नॉ. 09415608710
RNI No. UPHN/2015/63398

website: www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन
एवं सम्पादन देतु प्र.आर.वी. एकट
के अन्तर्गत उत्तदायी तथा इनसे
उत्तन समस्त विवाद इनाहावाद
न्यायालय के अधीन ही होंगे।

उद्घाटन समाचार की कुछ झलकियाँ